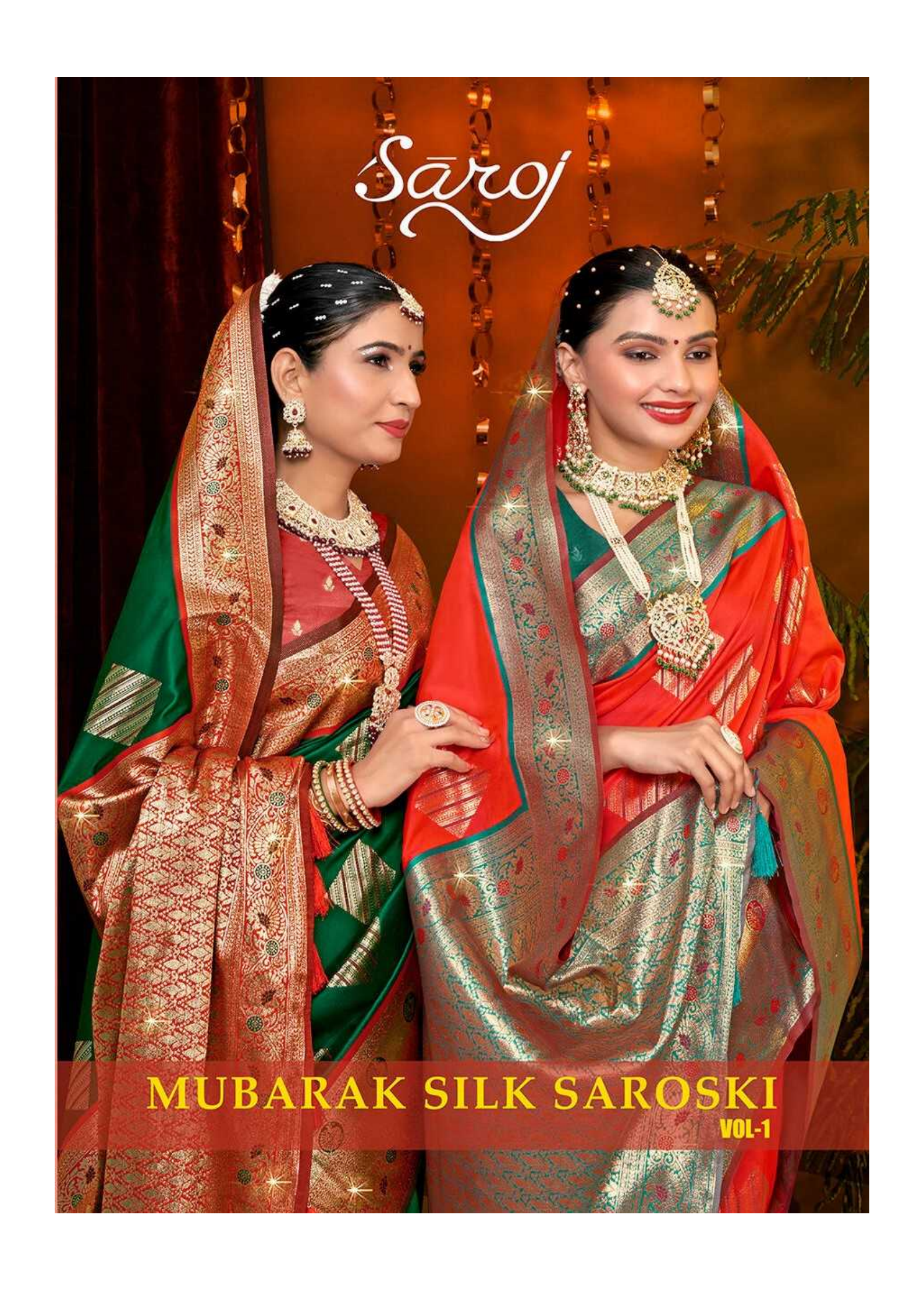
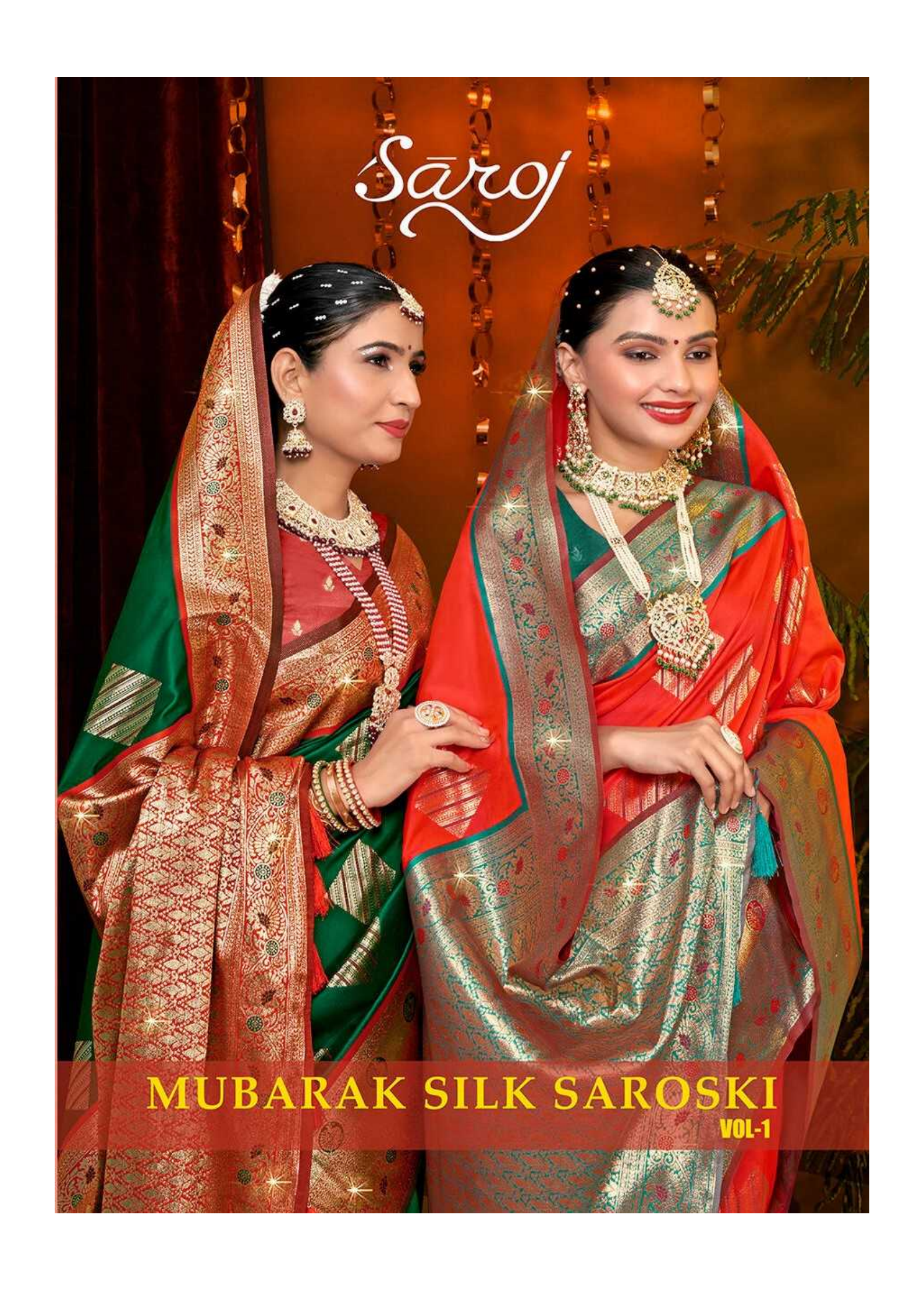




Saroj

MUBARAK SILK SAROSKI

VOL-1



Saroj

MUBARAK SILK SAROSKI

VOL-1



Saroj

सत्य -सत्यमेवैश्वरी त्वोके सत्ये धर्मः सर्वभित्तः ।
सत्यमुन्नि सर्वशि सत्यावर्ति पदम् ॥

तुम सृष्टि, पालन चौर संसार की शक्ति भूता,
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
नारायण! तुम्हें नमस्कार है ।








1001

1002

1003

1004

1005

1006



1001



1002



1003





1005



1006